



मधुबन

MADHUBAN

हरियाणा पुलिस अकादमी का मुख्यपत्र

A NEWS LETTER OF HARYANA POLICE ACADEMY

website : <http://www.hpa.haryanapolice.gov.in>



वर्ष 12 Volume III

जुलाई-सितम्बर JULY-SEPTEMBER 2019

अंक Issue XLVI

सेवानिवृति सम्मान परेड समारोह



मुख्य अतिथि डॉ. बीके सिन्हा, भापुसे डीजी होमगार्ड व निदेशक सिविल डिफेन्स, चण्डीगढ़ को श्री श्रीकांत जाधव, भापुसे एडीजीपी प्रभारी पुलिस परिसर मधुबन/निदेशक हरियाणा पुलिस अकादमी द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट।



मुख्य अतिथि द्वारा विदाई सम्मान परेड का निरीक्षण।



मुख्य अतिथि सलामी लेते हुए।

खुशी से किए जाने वाले कार्यों का परिणाम होता है बेहतर : डॉ. बीके सिन्हा

सेवानिवृति के अवसर पर मधुबन अकादमी में ली सलामी

28 सितम्बर : खुशी के साथ जो कार्य किया जाए उसका परिणाम हमेशा अच्छा होता है इसलिए सदैव खुशी-खुशी जीवन में कार्य करते रहें। यह उद्गार डा. बीके सिन्हा, डीजीपी, महानिदेशक होमगार्ड व निदेशक नागरिक सुरक्षा हरियाणा ने आज हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में व्यक्त किए। उन्होंने उनके सम्मान में आयोजित विदाई सम्मान परेड समारोह के अवसर पर सम्मान परेड की सलामी भी ली। अकादमी के निदेशक एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे ने डा. बीके सिन्हा भापुसे को उनकी शानदार उपलब्धियों और अनुकरणीय सेवाकाल के लिए बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए स्मृति चिन्ह भेट किया। विदाई सम्मान परेड की कमान अकादमी के डीएसपी सुन्दर सिंह ने की।

मुख्य अतिथि डा. सिन्हा ने विदाई समारोह पर अपने संबोधन में कहा कि जीवन में विकट परिस्थितियां आती हैं। अपने सेवा काल के अनुभवों को साझा करते हुए डा. सिन्हा ने कहा कि समस्याओं को आगे बढ़कर सुलझाने का प्रयास करने से समस्याएं आपके प्रयास के सामने छोटी हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि बदलते हुए समय के साथ पुलिसिंग के क्षेत्र में पेशेवर बदलाव के लिए अपने तैयारी रखें। वर्तमान में डिजिटिकरण का समय है, अपराधों का बदलता स्वरूप पुलिसिंग के लिए चुनौती है। इस चुनौती को इस क्षेत्र में प्रशिक्षण और कौशल को प्राप्त करते हुए पार किया जा सकता है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि जीवन में पढ़ाई के साथ खेलों से हमेशा जुड़े रहें। खेल शरीर और मन को स्वस्थ रखने में मदद करता है। खेल हमें सही नेतृत्व करना, मित्रता, सहयोग, अंतिम समय तक हार न मानने, विरोधी होने पर भी उनसे अच्छा व्यवहार करना और मतभेद को मनभेद न बनने देने का हुनर सिखाता है। उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को जनता से व्यवहार का सूत्र देते हुए उन्होंने कहा कि जब भी कोई नागरिक सहायता के लिए आपके पास आये तो अपने आपको उसकी जगह रख कर सोचना और वैसा ही व्यवहार करना जिसकी उम्मीद आप उस स्थिति में करते। आपका अच्छा व्यवहार और कानूनी मदद पीड़ित के लिए रामबाण का कार्य करती है। उसका पुलिस में विश्वास बढ़ाती है। उन्होंने परेड में शामिल महिला पुलिस व जवानों के उत्साह की प्रशंसा की और अकादमी के निदेशक व स्टाफ को अच्छे प्रशिक्षण के लिए बधाई दी।

इससे पूर्व अकादमी व करनाल रेंज के पुलिस महानिरीक्षक योगिंद्र सिंह नेहरा भापुसे ने डीजीपी सिन्हा भापुसे सहित उपस्थितजनों का स्वागत करते हुए डा. बीके सिन्हा भापुसे के जीवन और उपलब्धियों से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि 29 सितम्बर 1959 को जन्मे डा. सिन्हा 1986 में भारतीय पुलिस सेवा में शामिल हुए। अपने सेवा काल में उन्होंने पुलिस अधीक्षक के रूप में 3 बार जिला जींद, 2 बार तत्कालीन जिला गुडगांव सहित भिवानी, रोहतक जिले का कुशल नेतृत्व किया। पुलिस प्रशिक्षण में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डा. सिन्हा ने खेल निदेशक के रूप में कार्य करते हुए खेल सुविधाओं को उन्नत करने में योगदान दिया। डा. सिन्हा की सेवाएं राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय खेल आयोजन में सुरक्षा विशेषज्ञ के तौर पर ली जाती हैं।

उन्होंने कहा कि डा. सिन्हा की लागत और समाज सेवा के प्रति गहरी निष्ठा है इसी का परिणाम है कि उन्हें वर्ष 2015 में सराहनीय सेवाओं के लिए तथा वर्ष 2019 में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक, 2007 में मगध विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय सम्मान जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से भी नवाजा गया है।

अकादमी के उप पुलिस अधीक्षक शीतल सिंह धारीवाल ने इस अवसर पर धन्यवाद अभिभाषण प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर डा. बीके सिन्हा भापुसे के परिवारजन, मित्रगण, गणमान्य व्यक्ति, पूर्व पुलिस अधिकारी सुखेदव सिंह, आईआरबी के पुलिस महानिरीक्षक हनीफ कुरैशी भापुसे, हरियाणा सशस्त्र पुलिस के महानिरीक्षक वाई पूर्ण कुमार भापुसे, उप महानिरीक्षक कुलविंद्र सिंह भापुसे, आरटीसी भौंडसी के पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश नरवाल भापुसे, हरियाणा सशस्त्र पुलिस के आदेशक सुरेंद्रपाल सिंह भापुसे, करनाल के पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र भौरिया भापुसे व अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे।



हरियाणा पुलिस अकादमी प्रशिक्षण की गुणवत्ता को उन्नत करने में लगी

हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन देश की अग्रणी पुलिस अकादमियों में से एक है और इस स्थान को बनाए रखने के लिए यह निरंतर प्रयासरूत रहती है। हरियाणा पुलिस अकादमी में, नए निदेशक एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे के कार्यभार संभालते ही इस प्रयास में अद्भुत तेजी दिखाई देती है। पुलिस अकादमी में वर्तमान में 3 हजार से अधिक उप निरीक्षक और सिपाहियों का मौलिक प्रशिक्षण चल रहा है। मौलिक प्रशिक्षण किसी पुलिसकर्मी के भविष्य को तय करता है और यह भी तय करता है कि समाज को कैसी पुलिस मिलेगी। एडीजीपी श्रीकांत जाधव ने इसे अनुभव करते हुए प्रशिक्षणार्थियों को एक सामान्य व्यक्ति से एक कुशल, अनुशासित और जनसेवा में सदैव तत्पर रहने वाली पुलिस के रूप में परिवर्तित करने के लिए, व्यक्तिगत सरोकार दिखाते हुए अकादमी में विभिन्न आयामों पर पहल की है जिनके तहत इस पहल के तहत उन्होंने इंडोर प्रशिक्षण को अधिक व्यवहारिक, रोचक और ज्ञानवर्धक बनाने का कार्य आरम्भ किया है। उप निरीक्षक का बेसिक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को घटना के आधार पर सिखलाई करायी जा रही है। प्रशिक्षुओं को एक घटना का ब्यौरा दिया जाता है, जिस पर वे दस्तावेज तैयार करना और कौन-कौन से कानून लागू होंगे इसके बारे में सीखते हैं। पुलिस थाने की कार्य प्रणाली के बारे में जानने और समझने के लिए इन्हें प्रशिक्षण के दौरान एक थाना में भेजा जाएगा जहां वे दिनभर कार्य प्रणाली को समझेंगे और रिपोर्ट तैयार करेंगे। सिपाहियों के लिए भी घटना आधारित मोड़यूल तैयार किए गए हैं ताकि वे व्यवहारिक रूप से अपने-अपने कर्तव्यों को निभाने में पहले दिन से ही सक्षम बन सकें। आउटडोर प्रशिक्षण को भी इस प्रकार संशोधित किया गया है कि प्रशिक्षणार्थियों में अनुशासन धैर्य और एकजुटता के साथ कार्य करने की भावना विकसित हो। एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे की पहल पर अकादमी फिट इंडिया अभियान में भी सक्रिय भागीदारी कर रही है। इसके लिए शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य की उन्नति के लिए विख्यात फिटनेस ट्रेनर, न्यूट्रिशन, योग एवं ध्यान प्रशिक्षक नियमित रूप से प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन करते हैं व अभ्यास करते हैं। इंडोर कक्षाओं से पहले अकादमी की डॉ. भीमराव अम्बेडकर रंगशाला में प्रातःकालीन सभा हेतु सभी प्रशिक्षणार्थी एकत्रित होते हैं जिसमें अकादमी के निदेशक और अन्य अधिकारी भी भाग लेते हैं। प्रशिक्षणार्थियों में कम्युनिकेशन स्किल बेहतर हो इसके लिए प्रशिक्षणार्थी मंच पर आकर सभा का संचालन करते हैं, राष्ट्रीय गान का गायन करने के बाद सभी अपनी कक्षाओं लिए अनुशासित तरीके से प्रस्थान करते हैं। इस सभा में एकत्रित होना और प्रस्थान करना उंचे दर्जे के अनुशासन और तालमेल को प्रदर्शित करता है। कड़े प्रशिक्षण में सफलता के लिए अच्छा भोजन भी जरूरी है। प्रशिक्षणार्थियों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए भोजनालय के मेन्यू में बदलाव के साथ उसके समय में भी परिवर्तन किया गया है। अन्य श्रेष्ठ प्रशिक्षण संस्थानों की तरह ही अब अकादमी में सुबह नाश्ता, दोपहर और रात्रि को भोजन की व्यवस्था की गई है। प्रशिक्षण में किए गए इन बदलावों का असर अब दिखाई देने लगा है, इसके कारण प्रशिक्षणार्थियों को अब प्रशिक्षण पहले से अधिक रुचिकर, उपयोगी लगने लगा है। प्रशिक्षण के दौरान होने वाले शारीरिक समस्याओं में अप्रत्याशित कमी आई हैं और प्रशिक्षणार्थी सेहतमंद दिखाई देने लगे हैं। प्रशिक्षण की बेहतरी के लिए



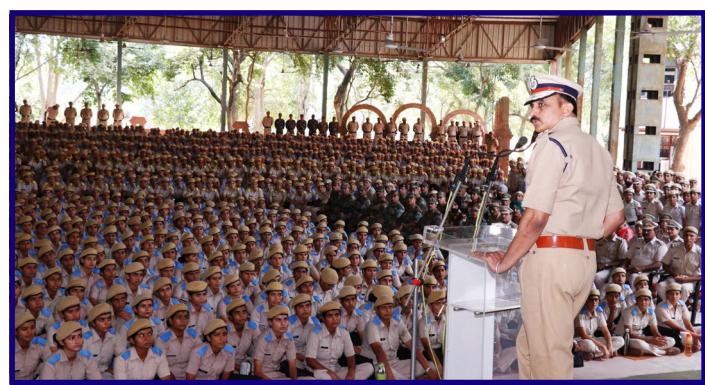
New Director HPA

Sh. Shri Kant Jadhav IPS (RR-1994) Addl. Director General appointed as the Director, Haryana Police Academy Madhuban. The new Director has taken over the charge w.e.f. 24th August 2019.

सभी की भागीदारी हो इसके लिए अकादमी निदेशक एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे की पहल पर अकादमी में अनेक स्थानों पर सुझाव पेटियां स्थापित की गई हैं, जिनमें प्रशिक्षणार्थी व स्टाफ अपने सुझाव देता है। महीने के पहले शुक्रवार को इन सुझावों को खुला मंच में पढ़ा जाता है और बेहतरी के लिए इन पर कार्य किया जाता है। एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे सृजनशील व्यक्तित्व के स्वामी हैं। मधुबन परिसर को और अधिक सुन्दर बनाने के लिए वे स्वयं नेतृत्व करते हुए कार्य करते हैं। परिसर को सुरक्षित बनाने और मधुबन में आने वालों की सुविधा के लिए उन्होंने गेट पास स्टीकर को लागू किया है। हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन का स्टाफ अकादमी को नई उंचाइयों पर ले जाने के लिए अपने निदेशक के मार्गदर्शन में बढ़-चढ़कर भाग ले रहा है।

वर्दी नसीब वालों को मिलती है: श्रीकांत जाधव

हरियाणा पुलिस अकादमी के निदेशक और मधुबन पुलिस परिसर के एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे ने 26 अगस्त को प्रशिक्षणार्थियों और स्टाफ को संबोधित करते हुए कहा कि वर्दी नसीब वालों को मिलती है, सदैव इसका गौरव बढ़ाने का ध्यान रखें। वर्दी पहनने वालों की अलग विशेषता होती है। जिसके कारण समाज की उनसे संकट के समय कार्य करने, सहायता करने और नागरिक की सुरक्षा करने की उम्मीदें होती हैं। जो प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण के दौरान लगन और मेहनत के साथ कार्य करता है वह अपनी जिम्मेदारियों को उतनी ही आसानी से निभाने योग्य बन जाता है। प्रशिक्षण पुलिस अकादमी किसी मंदिर से कम नहीं होती जहां प्रशिक्षणार्थी शिक्षा के साथ-साथ कर्तव्यपालन के लिए हुनर हासिल करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे लिए प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण के बाद उनके द्वारा किये जाने वाले व्यवहार से ही पुलिस की बेहतर छवि बनेगी।



सोशल मीडिया का इस्तेमाल सावधानी से करें- मनोज यादव

01 से 03 जुलाई तक हरियाणा पुलिस अकादमी में गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'साइबर अपराध और साइबर कानून जागरूकता' विषय पर न्यायिक अधिकारियों तथा लोक अभियोजकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समापन सत्र में पुलिस महानिदेशक हरियाणा के श्री मनोज यादव भाषुप्ते ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में 20 न्यायिक अधिकारियों तथा लोक अभियोजकों ने भाग लिया।

श्री यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे द्वारा प्रयोग किया जाने वाला सोशल मीडिया सुरक्षित नहीं है, यह एक रोशनदान की तरह है जिसमें से किसी के द्वारा हमारे निजी जीवन में देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर जो पोस्ट डाली जाती है वह डाटा सर्वर पर हमेशा के लिए सेव हो जाता है जिसे कभी भी, कहीं भी प्रयोग किया जा सकता है। संभव हो सकता है कि बीजा देने से पहले नागरिक की सोशल मीडिया पर उपलब्ध जानकारी का सहारा लिया जाए। साइबर अपराधी मोबाइल फोन पर एक मैसेज के माध्यम से पूरे डाटा को हैक कर सकते हैं, इस प्रकार डाटा का दुरुपयोग संभव है। वर्तमान समय में हम सोशल मीडिया पर ही निर्भर हो गए हैं। हमें अपने बच्चों के जीवन में सोशल मीडिया इस्तेमाल को सीमित करना होगा। बच्चों के सोशल मीडिया प्रयोग पर अधिभावकों को ध्यान देना चाहिए तथा उन्हें इंटरनेट के माध्यम से होने वाले अपराधों के बारे में जानकारी भी देनी चाहिए। हमें परस्पर सामाजिक क्रियाकलापों में भागीदारी बढ़ानी होगी। सोशल मीडिया से बढ़ते अपराधों पर विशेषरूप से नजर रखनी होगी।

श्री यादव ने कहा कि आधुनिक समय में तकनीक का तेजी से विकास हो रहा है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से नई तकनीकों के प्रयोग तथा उनके फायदे और नुकसान के बारे में जानकारी मिलती है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए।



अकादमी के निदेशक एडीजीपी श्री आलोक रौय भाषुप्ते ने मुख्य अतिथि का आभार प्रकट किया तथा मुख्य अतिथि को अकादमी की ओर से स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

शुभारम्भ सत्र को संबोधित करते हुए करनाल रेंज एवं अकादमी के पुलिस महानिरीक्षक श्री योगिन्द्र सिंह नेहरा भाषुप्ते ने कहा कि कम्प्यूटर व इंटरनेट के माध्यम से किया जाने वाला कोई भी अपराध साइबर अपराध की श्रेणी में आता है। सूचना-क्रांति के युग में अपराध के परम्परागत तरीकों में भी बदलाव आया है। अपराधी इंटरनेट द्वारा आपराधिक वारदातों को अंजाम देते हैं। पुलिस कम्प्यूटर एवं संचार साधनों में कुशलता हासिल करके साइबर अपराधियों पर काबू पा सकती है। साइबर अपराधियों को पकड़ना चुनौतिपूर्ण है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी इंटरनेट की सहायता से स्टॉकिंग, हैंकिंग, फेक आईडी तैयार करके, फिशिंग, कैश ट्रांजेक्शन फ्रॉड आदि के द्वारा टॉर्गेट पर अटैक करते हैं तथा उन्हें आर्थिक व सामाजिक हानि पहुंचाते हैं। साइबर अपराध से बचने के लिए हमें फायरवॉल, एंटी वायरस, सुरक्षित वैबसाईट, स्ट्रॉग पासवर्ड आदि का प्रयोग करना चाहिए। हमें बच्चों द्वारा इंटरनेट का इस्तेमाल करते समय भी ध्यान रखना चाहिए।



प्रशिक्षण के दौरान प्रोफेसर अंजु चौधरी लॉ यूनिवर्सिटी चण्डीगढ़ ने कलेक्शन ऑफ इन्टेलिजेंस ऑन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, एडवोकेट अरविंद खुरानिया कैथल ने, सूचना प्रोटोकॉलों की अधिनियम, गुरुचरण सिंह सीडीटीएस चण्डीगढ़ ने मोबाइल डाटा से संबोधित तपतीश-न्याय वैद्यक विज्ञान तथा अपराधियों द्वारा इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों के इस्तेमाल, डीएसपी श्री राजकुमार ने मीडिया एक्सेस कन्ट्रोल की सहायता से लेपटॉप को ट्रैक करने, प्रशिक्षक श्री भुमेश कुमार ने साइबर अपराधों में ऑन लाईन टूल्स के इस्तेमाल तथा डॉ. सुमन बंसल जिला न्यायवादी एचपीजीसीएल ने साइबर अपराध एवं डिजिटल साक्षों की स्वीकार्यता के बारे में प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन किया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक वृष्णि मुरारी भाषुप्ते, अकादमी के जिला न्यायवादी एवं कोर्स निदेशक श्री आनन्द मान, डीएसपी श्री राजकुमार, डीएसपी श्री शीतल सिंह धारीवाल, डीएसपी श्री सुन्दर सिंह, डीएसपी श्री पवन कुमार, उप जिला न्यायवादी श्री रामपाल, उप जिला न्यायवादी श्री अजय कुमार सहित अकादमी स्टाफ भी उपस्थित रहा।

न्याय सुनिश्चित करने के लिए सदैव रहें प्रयत्नशील - डॉ. केपी सिंह

30 अगस्त 2019 को हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में लोक अभियोजकों के लिए आयोजित दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए 22 लोक अभियोजकों ने भाग लिया। समापन अवसर पर हरियाणा विजिलेंस ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. केपी सिंह भापुसे ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की तथा प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। अकादमी के निदेशक एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे भी इस मौके पर विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने मुख्य अतिथि को अकादमी की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया।

डॉ. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि लोक अभियोजक अपराध न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग है और उसे न्याय सुनिश्चित करने के लिए सदैव प्रयत्नशील रहना चाहिए। न्याय कानून से भी आगे की अवधारणा है। न्याय का आधार सच्चाई है और एक लोक अभियोजक का कर्तव्य है कि वह बहुत से आवरणों को हटाते हुए सच्चाई को न्यायालय के समक्ष रखने में योगदान दे। उन्होंने कहा कि एक लोक अभियोजक को एक दोस्त, दार्शनिक, मार्गदर्शक और प्रशासक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। उसे परिवादी, गवाह और आरोपी के मित्र, न्यायालय और जिला मैजिस्ट्रेट के लिए दार्शनिक, पुलिस के मार्गदर्शक तथा अभियोजन विभाग के प्रशासक के रूप में अपनी डयूटी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सुधार गृहों में बन्द 85 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जिन पर सात साल से कम सजा वाले अपराधों का आरोप है। 66 प्रतिशत ऐसे हैं जिनके मामले न्यायालयों में विचाराधीन हैं। न्याय किसी मामले में सजा या बरी होना नहीं है बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि व्यक्ति के जीवन, उसके मानव अधिकार और विकास के अधिकार का संरक्षण हो। उन्होंने कहा कि न्याय में देरी केवल पुलिस, न्यायालय और अभियोजकों के कारण नहीं होती। समाज का दबाव, अधिकारी, पीड़िया, परिवादी, गवाह, आरोपी आदि के कारण भी देरी होती हैं। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि इन परिस्थितियों में भी शीघ्र न्याय उपलब्ध हो, इसके लिए लोक अभियोजक कार्य करते रहेंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए।



कार्यक्रम में अकादमी के पुलिस अधीक्षक कृष्ण मुरारी भापुसे ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। अकादमी के पुलिस अधीक्षक वसीम अकरम भापुसे ने मुख्य अतिथि के जीवन परिचय से प्रतिभागियों को अवगत कराया। डीएसपी राजकुमार ने मुख्य अतिथि, अकादमी निदेशक और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। डीडीए रामपाल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दी गई जानकारी से अवगत कराया।

सुरक्षा और सुविधा हेतु जारी किए गए वाहन गेट-पास

हरियाणा पुलिस अकादमी के निदेशक व मधुबन पुलिस परिसर के प्रभारी एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे द्वारा हरियाणा पुलिस परिसर की सुरक्षा चाक-चौबंद करने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। उनकी पहल पर परिसर की अभूतपूर्व सुरक्षा, परिसर के निवासी व कार्यरत पुलिसकर्मियों की सुविधा हेतु वाहनों के लिए गेट-पास जारी किए गए हैं। अब परिसर में गेट-पास स्टीकर रहित वाहनों का नियंत्रित प्रवेश ही संभव हो सकेगा। अकादमी के पुलिस अधीक्षक वसीम अकरम भापुसे ने परिसर में कार्यरत पुलिस अधिकारी की निजी कार पर गेट-पास स्टीकर लगाकर 5 सितम्बर 2019 को इसकी शुरूआत की।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा पुलिस परिसर महत्वपूर्ण स्थान है जहां पर काफी संख्या में पुलिस-परिवार निवास करते हैं तथा इसमें स्थित विभिन्न इकाइयों में सैकड़ों कर्मचारियों व आम-जन का आवागमन रहता है। सभी को कोई असुविधा न हो और परिसर का सुरक्षा तंत्र भी मजबूत रहे इसके लिए अकादमी के निदेशक की पहल पर गेट-पास स्टीकर लगाने का कार्य किया गया है। वे सुरक्षा, अनुशासन और दूसरों के हित के लिए हमेशा सजग रहे हैं। बिना गेट-पास स्टीकर के वाहनों को गहन जांच के बाद परिसर में प्रवेश की अनुमति होगी।

एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे के मार्गदर्शन से गेट-पास विशेष प्रकार से बनाए गए हैं। पहचान हेतु मधुबन परिसर में स्थित विभिन्न पुलिस इकाइयों के लिए अलग-अलग रंग के गेटपास स्टीकर तय किए गए हैं। परिसर के मुख्य संस्थान हरियाणा पुलिस अकादमी का पीला, हरियाणा सशस्त्र पुलिस का तोते के रंग का हरा, पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल का गुलाबी, फोरेंसिक साईंस लेबोरेट्री का लाल, राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो का नीला, राज्य अपराध शाखा व हरियाणा पुलिस आवास निगम हेतु गहरे हरे रंग का गेटपास स्टीकर निर्धारित किया गया है।

मादक पदार्थों के दुष्परिणाम पर हुआ नाटक मंचन

4 जुलाई को हरियाणा पुलिस अकादमी के हर्षवर्धन सभागार में 'नशे दी मार' नाटक का मंचन किया। मुख्य अतिथि श्री मनोज यादव भाषुसे पुलिस महानिदेशक हरियाणा ने दर्शक दीर्घा को संबोधित करते हुए कहा कि नशे का प्रयोग दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। मादक पदार्थ कुछ समय के लिए नशा देता है जिसमें व्यक्ति को मिथ्या सुखद अनुभूति होती है पर जैसे ही नशे का असर समाप्त होता है तो व्यक्ति फिर से उसे लेना चाहता है। कुछ ही दिनों में उसे मादक पदार्थों की लत लग जाती है। आज की युवा पीढ़ी नशे का ज्यादा शिकार हो रही है। हमें अपने बच्चों के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करना चाहिए ताकि उन्हें अकेलापन महसूस न हो। तनाव व अकेलापन मादक पदार्थों के सेवन की दिशा में ले जाता है। हमारा दायित्व बनता है कि हम बच्चों का सही मार्गदर्शन करें तथा उन्हें नशे से दूर रखें। बच्चों को खेलों से जोड़ें। वे शारीरिक व मानसिक रूप से सुदृढ़ होंगे। नशे को केवल कानून के भय से खत्म नहीं किया जा सकता, यह सामाजिक जागरूकता से संभव हो सकता है। नशे के कारण परिवार टूट रहे हैं। यदि परिवार का एक व्यक्ति नशे की आदत का शिकार हो जाता है तो उसका परिणाम पूरे परिवार को भुगतना पड़ता है। उन्होंने नाटक मंचन को एक सार्थक पहल बताया और सभी पात्रों को बधाई दी।

अकादमी निदेशक एडीजीपी श्री आलोक राय भाषुसे ने कहा कि नशे के आदतन व्यक्ति का उपचार कराएं व उसके पुनर्वास में सहयोग करें। नशा समाज को खोखला कर देता है। नशे से अन्य सामाजिक बुराइयां जुड़ जाती हैं।

इस अवसर पर निदेशक एफएसएल एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भाषुसे, अकादमी के ट्रेनिंग एडवार्ड्जर एवं पूर्व आईजी सतप्रकाश रंगा भाषुसे, पुलिस अधीक्षक कृष्ण मुरारी भाषुसे, उप पुलिस अधीक्षक श्री राजकुमार, उप पुलिस अधीक्षक श्री शीतल सिंह धारीवाल, उप पुलिस अधीक्षक श्री सुन्दर सिंह, उप पुलिस अधीक्षक श्री पवन कुमार तथा अकादमी स्टाफ भी उपस्थित रहा।



अकादमी में लोक अभियोजकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

15 से 26 जुलाई तक हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में लोक अभियोजकों के लिए दो सप्ताह के पुलिस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन हुआ, जिसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए लोक अभियोजकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समाप्त अवसर पर करनाल रेंज व हरियाणा पुलिस अकादमी के पुलिस महानिरीक्षक श्री योगिन्द्र सिंह नेहरा भाषुसे ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 20 लोक अभियोजकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ पूर्व पुलिस महानिरीक्षक एवं अकादमी के ट्रेनिंग एडवार्ड्जर सतप्रकाश रंगा भाषुसे ने किया था।

श्री नेहरा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी ड्यूटी को जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए। ड्यूटी के दौरान जब कोई हमारे पास आता है, तो हमें उसकी बात को संवेदनशीलता के साथ सुनना चाहिए। जो व्यक्ति हमारे पास आता है, हमें उसकी हर संभव सहायता करनी चाहिए क्योंकि वह बहुत उम्मीद के साथ हमारे पास आता है। लोक अभियोजक का पीड़ित को न्याय दिलवाने में महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी ड्यूटी प्रत्येक पीड़ित को न्याय दिलवाने तथा प्रत्येक अपराधी को सजा दिलवाने के लक्ष्य के साथ करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि पुलिस न्यायालय और अभियोजन विभाग अपराध न्याय व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग है ये जितना आपसी तालमेल से कार्य करेंगे, जनता को न्याय मिलने में उतना ही कम समय लगेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि लोक अभियोजकों के लिए यह पुलिस प्रशिक्षण उनमें पुलिस कार्यों के प्रति समझ बढ़ाने तथा न्याय सुनिश्चित करने के लिए विवेचना अधिकारी से सही तालमेल रखने में सहायक होगा। मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए।

इससे पूर्व अकादमी के जिला न्यायवादी श्री आनन्द मान ने मुख्य अतिथि तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। अकादमी के उप जिला न्यायवादी श्री रामपाल ने मुख्य अतिथि तथा प्रतिभागियों का आभार प्रकट किया।



साइबर सुरक्षा के लिए घर से करें शुरूआत, बनें जागरूक - अनिल कुमार राव

हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में साइबर अपराध एवं कानूनी जागरूकता पर प्रशिक्षण हुआ संपन्न

26 से 28 अगस्त तक हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन के सरदार पटेल हॉल में साइबर अपराध और कानूनी जागरूकता विषय पर न्यायिक अधिकारियों एवं लोक अभियोजकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम गृह मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित किया गया, इसमें 10 न्यायिक अधिकारियों व 10 लोक अभियोजकों ने भाग लिया। 28 अगस्त को समापन सत्र में हरियाणा गुप्तचर विभाग के प्रमुख एडीजीपी श्री अनिल कुमार राव भापुसे ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

एडीजीपी श्री अनिल कुमार राव भापुसे ने प्रतिभागी अधिकारियों से साइबर के प्रभाव और चुनौतियों पर विमर्श किया। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों से सुरक्षित रहने के लिए प्रत्येक स्तर पर जागरूकता की आवश्यकता है। इंटरनेट और कम्प्यूटर ने हमारी जिंदगी को आसान बना दिया है लेकिन साथ ही इससे हमारे सामने अपने धन और निजता को सुरक्षित रखने की चुनौती भी पैदा हो गई है। जागरूकता के अभाव में और थोड़े से पैसे बचाने की मानसिकता के कारण आज हमारे देश में लगभग पौने दो लाख कम्प्यूटर किसी न किसी साइबर अपराध में सहायक सॉफ्टवेयर से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि साइबर साक्षरता के बिना हम साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ सकते। उन्होंने कहा कि साइबर मामलों से निपटने के लिए देश और विशेष रूप से हरियाणा में पुलिस के विवेचना अधिकारियों, न्यायिक अधिकारियों और लोक-अभियोजकों में क्षमता विकास के लिए कार्य तेजी से किए जा रहे हैं।



उन सब को भी साइबर अपराधियों से सुरक्षित रखने में सहायता करेगी। साइबर अपराध से निपटने के लिए नागरिक एवं जांच ऐजेन्सियों को मिलकर कार्य करना लाभकारी रहेगा। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए।

कार्यक्रम में अकादमी के पुलिस अधीक्षक श्री वसीम अकरम भापुसे ने मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार राव भापुसे का स्वागत किया तथा पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण मुरारी भापुसे ने एडीजीपी राव को हरियाणा पुलिस अकादमी की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया। अकादमी के जिला न्यायवादी श्री आनंद मान ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा अकादमी के उप पुलिस अधीक्षक श्री राजकुमार ने अकादमी की ओर से मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।



दिल्ली-अम्बाला हाईवे को सुरक्षित बनाने पर हुआ मंथन

16 अगस्त को हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन के सरदार पटेल हॉल में आज दिल्ली-अम्बाला राष्ट्रीय राजमार्ग-44 को सुरक्षित बनाने और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी के लिए बैठक का आयोजन हुआ, जिसकी अध्यक्षता श्री आलोक कुमार राय भापुसे अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं निदेशक हरियाणा पुलिस अकादमी ने की। बैठक में श्री नवदीप सिंह विर्क भापुसे, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

श्री राय ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाएं जहां राष्ट्र के नवनिर्माण में बाधा हैं वहीं अनेक लोग इसके कारण अपने प्रियजनों को भी गवां देते हैं। निरंतर बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं और उनसे होने वाली जीवन और सम्पत्ति की हानि हमें इस विषय पर गंभीरता

से विचार और कार्य करने के लिए जिम्मेदार बनाती है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा के पुलिस महानिदेशक श्री मनोज यादव भापुसे की पहल से इस बैठक का आयोजन किया गया है, जिसमें विशेष तौर पर दिल्ली-अम्बाला राष्ट्रीय राजमार्ग पर होने वाली दुर्घटनाओं में भारी कमी लाने के लिए संभावित उपायों पर पुलिस, ट्रैफिक ट्रेनिंग संस्थान और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रतिनिधियों ने विचार विमर्श किया।



गति प्रवर्तन प्रणाली (स्पीड एनफार्मसमेंट सिस्टम) पर भी प्रस्तुति हुई। इस प्रणाली में दिल्ली से अम्बाला तक 20 स्थानों पर कैमरे लगाए जाएंगे जिनकी सहायता से सड़क नियमों की पालना न करने वालों पर नजर रखी जाएगी। श्री नवदीप सिंह विर्क भापुसे अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था ने अन्य प्रतिभागियों के साथ विमर्श करते हुए इस प्रणाली को उपयोगी व व्यवहारिक बनाने के लिए अपने विचार रखें। इन कैमरों की मदद से सड़क नियमों को लागू करने और अपराधियों पर नकेत करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस महानिदेशक हरियाणा के निर्देश पर आयोजित इस बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न हितधारकों के मध्य अच्छा विमर्श हुआ है।

डॉ. राजश्री सिंह भापुसे, पुलिस महानिरीक्षक, यातायात एवं राजमार्ग हरियाणा ने इस अवसर पर कहा कि हर चार मिनट में सड़क पर एक व्यक्ति की मौत होती है यह केवल व्यक्ति विशेष की मौत नहीं बल्कि उससे जुड़े परिवारों के लिए भी मृत्यु समान स्थिति होती है। सड़क सुरक्षा एक सामाजिक जिम्मेदारी है जिसे सभी हितधारकों को मिलकर पूरा करना है। यह जिम्मेदारी कानून लागू करने, बेहतर सड़क बनाने से लेकर समाज के बीच सड़क अनुशासन से पूरी होगी। उन्होंने बैठक की अध्यक्षता के लिए श्री आलोक कुमार राय भापुसे व विशेष उपस्थिति पर श्री नवदीप सिंह विर्क भापुसे, डॉ. रोहित बलजा तथा अन्य उपस्थित अधिकारियों का सड़क सुरक्षा के महत्वपूर्ण मद्दे पर सरोकार के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर समाज में जागरूकता अभियान चलाकर समाज को सुरक्षित रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

श्री योगिन्द्र नेहरा भापुसे, पुलिस महानिरीक्षक करनाल रेंज ने बैठक में भाग लेते हुए कहा कि राजमार्ग पर बहुत से ओवरब्रिज निर्माणाधीन हैं, लेन के विस्तार का कार्य भी किया जा रहा है। इसे देखते हुए इन स्थानों पर सुरक्षा अवरोधक, सूचना संकेत लगे होने चाहिए ये दुर्घटना से बचाव में चालकों के मार्गदर्शक बनते हैं।

सड़क एवं यातायात शिक्षा संस्थान फरीदाबाद के अध्यक्ष डॉ रोहित बलजा ने बैठक में अपने विचार रखते हुए कहा कि टेक्नोलॉजी के साथ-साथ जागरूकता और समाज की सहायता से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। सड़क दुर्घटना का कारण हमेशा वाहन चालक नहीं है इसके लिए सड़क इंजीनीयरिंग और सड़क के किनारे किये जाने वाले अतिक्रमण भी जिम्मेदार है। इस वर्ष दिल्ली-अम्बाला राष्ट्रीय राजमार्ग पर 389 लोगों को वाहन दुर्घटना में अपनी जान गवानी पड़ी। हमें मिलकर प्रयोग के तौर पर दिल्ली-अम्बाला के 189 किलोमीटर को सुरक्षित बनाना है। उन्होंने प्रस्ताव किया कि सड़क एवं यातायात शिक्षा संस्थान, पुलिस, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क निर्माण में लगी संस्थाओं और अन्य शिक्षण संस्थाओं के सदस्यों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षित करने के लिए तत्पर है।

बैठक में श्री राकेश आर्य भापुसे उप-पुलिस महानिरीक्षक प्रशासन मुख्यालय, श्री अभिषेक जोरवाल भापुसे पुलिस अधीक्षक अम्बाला, श्रीमती आस्था मोदी भापुसे पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र, श्री ओमवीर सिंह भापुसे पुलिस अधीक्षक यातायात एवं राजमार्ग हरियाणा, श्री सुरिन्द्र सिंह भौरिया भापुसे पुलिस अधीक्षक करनाल, श्री सुमीत कुमार भापुसे पुलिस अधीक्षक पानीपत, श्रीमती प्रतीक्षा गोदारा भापुसे पुलिस अधीक्षक सोनीपत, श्री आशीष जैन परियोजना निदेशक राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण भी उपस्थित रहे।

वेबसाइटों पर आने वाले प्रलोभनों से बचें -आलोक रॉय

हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में साइबर अपराध एवं कानूनी जागरूकता पर प्रशिक्षण हुआ संपन्न

19 से 21 अगस्त तक हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन के सरदार पटेल हॉल में साइबर अपराध और कानूनी जागरूकता पर न्यायिक अधिकारियों एवं लोक अभियोजकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गृह मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्री आलोक कुमार राय भापुसे निदेशक हरियाणा पुलिस अकादमी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इसमें 11 न्यायिक अधिकारियों तथा 10 लोक अभियोजकों ने भाग लिया।

श्री रॉय ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में साइबर अपराध सभी अपराधों की धूरी है। कोई भी अपराध हो उसमें साइबर अपराध भी प्रायः मिलता है। हमारी सभी सूचनाएं नेट या कम्प्युटर में संग्रहित रहती हैं जिनकों हासिल करके फायदा उठाने के लिए अपराधी तरह-तरह के तरीके अपनाते हैं। जहां साइबर अपराध समाज की सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में उभर रही है वहीं पुलिस एवं न्याय तंत्र भी इससे निपटने के लिए निरंतर अपने को मजबूत कर रहा है। पुलिस में साइबर अपराध से निपटने के लिए बेहतर प्रशिक्षण की व्यवस्था है और हरियाणा में जिला स्तर पर अलग-अलग साइबर सैल नागरिकों की सहायता के लिए बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि जागरूकता साइबर अपराध से बचने का एक आसान और अच्छा तरीका है। हमें किसी भी प्रलोभन से बचना चाहिए। बेबसाइट, टेलीफोन के जरिए मुफ्त और ईनाम के ऑफरों से बचना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि न्यायिक अधिकारियों और लोक अभियोजकों के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम, साइबर अपराधियों पर न्याय का चाबूक चलाने में सहायक होगा। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए।



कार्यक्रम का शुभारम्भ हरियाणा के पूर्व पुलिस महानिदेशक (मानवाधिकर एवं लिटिगेशन) श्री सुधीर चौधरी भापुसे ने किया तथा हरियाणा अभियोजन विभाग के अतिरिक्त निदेशक श्री शशिकांत शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

श्री चौधरी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में साइबर अपराध अलग-अलग स्वरूपों में विस्तार कर रहा है। यह अपराधियों के लिए अधिकतम कमाई वाले अपराधों में से एक बनता जा रहा है। साइबर अपराधी एक कमरे या किसी कौनै में बैठे और कभी-कभी तो चलते फिरते ही किसी को साइबर अपराध का शिकार बना लेते हैं। साइबर अपराध से निपटना आपराधिक न्याय प्रणाली के लिए एक चुनौती है जिसमें सफलता के लिए जरूरी है कि पुलिस, न्यायालय और अभियोजन अपने ज्ञान और कौशल को निरंतर उन्नत करता रहे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि साइबर अपराध को लेकर यह प्रशिक्षण कार्यक्रम इस दिशा में उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने प्रतिभागियों का आव्वान करते हुए कहा कि कुछ नया सीखने और आपसी विचार विमर्श के प्रत्येक अवसर का लाभ उठाने के लिए तैयार रहें, इससे कार्यकुशलता और समझ दोनों ही बढ़ती है।

अभियोजन विभाग के अतिरिक्त निदेशक श्री शशिकांत शर्मा ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कानून में समय के साथ बदलाव होते हैं इसलिए हमें अपनी जानकारी को निरंतर बढ़ाते रहना चाहिए। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीज अब्दुल कलाम के एक कथन के माध्यम से कहा कि साहस ज्ञान के परिणाम स्वरूप प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि ज्ञान से सृजनशीलता, सृजनशीलता से सही पथ और इससे साहस पैदा होता है। उन्होंने कहा कि ज्ञान और अहंम का कभी साथ नहीं हो सकता क्योंकि अहम् कुछ भी नया सीखने के विचार को मार देता है और व्यक्ति सोचने लगता है कि उसे तो सब पता है। जबकि ज्ञान सदैव और किसी भी उम्र व परिस्थिति में प्राप्त किया जा सकता है।

अकादमी के पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण मुरारी भापुसे ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। अकादमी के उप पुलिस अधीक्षक श्री राजकुमार ने मुख्य अतिथि व प्रतिभागियों का अकादमी की ओर से तथा अपनी ओर से आधार व्यक्त किया। अकादमी के जिला न्यायवादी श्री आनंद मान तथा उप जिला न्यायवादी श्री रामपाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर अकादमी के उप जिला न्यायवादी अजय कुमार भी उपस्थित रहे।

व्यक्ति फिट है तो उसका जीवन हिट है - श्रीकांत जाधव

मधुबन पुलिस अकादमी में भी लॉच हुआ फिट इंडिया अभियान, निदेशक श्रीकांत जाधव ने किया आगाज

29 अगस्त को देश के साथ ही हरियाणा पुलिस अकादमी में भी फिट इंडिया मूवमैट का शुभारम्भ हुआ। अकादमी के निदेशक एवं एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे ने प्रधानमंत्री के इस अभियान में भागीदारी करते हुए अधिकारियों, अकादमी स्टाफ और प्रशिक्षणार्थियों के साथ शारीरिक व योग अभ्यास किया। इसके बाद मधुबन की डॉ. भीमराव अम्बेडकर रंगशाला में प्रधानमंत्री के फिट इंडिया लॉचिंग कार्यक्रम के सीधे प्रसारण के माध्यम से प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। उन्होंने प्रधानमंत्री के आहवान पर 3 हजार से अधिक प्रशिक्षणार्थियों एवं स्टाफ के साथ मिलकर फिट रहने का संकल्प लिया। फिट इंडिया लॉचिंग कार्यक्रम के सीधे प्रसारण को देखने के लिए अकादमी की रंगशाला में व्यवस्था की गई थी।

इस अवसर पर एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे ने पुलिसकर्मियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि जो मन और तन से फिट है उसी का जीवन हिट है। अपने परिवार, समाज और देश के लिए एक स्वस्थ व्यक्ति कुछ बेहतर करने में सक्षम होता है। पुलिस विभाग में तो फिटनेस ड्यूटी को ठीक प्रकार से निभाने के लिए एक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जैसा की फिट इंडिया लॉचिंग कार्यक्रम के दौरान दिखाया गया है कि फिटनेस के लिए भारत देश में लोग अलग-अलग तरीके अपनाते हैं। आप भी अपनी रुचि, और उम्र के अनुसार योग, कसरत, खेल, नृत्य अदि माध्यमों से अपने आप को चुस्त और स्वस्थ रखें। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी प्रधानमंत्री द्वारा आरम्भ किए फिट इंडिया अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करें। अपने जीवन को सुंदर और स्वस्थ बनाएं। इस अवसर पर अकादमी के पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण मुरारी भापुसे, पुलिस अधीक्षक श्री वसीम अकरम भापुसे, डीएसपी श्री राजकुमार, डीएसपी श्री शीतल सिंह धारीवाल, डीएसपी श्री पवन कुमार, डीएसपी श्री सुंदर सिंह, डीएसपी श्रीमती लक्ष्मी देवी, प्रशिक्षु डीएसपी एवं पूर्व हॉकी टीम कसान श्री सरदार सिंह ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।



हरियाणा पुलिस अकादमी में प्रशिक्षणार्थियों के लिए योग एवं ध्यान कक्षा हुई आयोजित

14 सितम्बर को हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में राज योग व ध्यान केन्द्र, करनाल के सहयोग से प्रशिक्षणार्थियों के लिए योग एवं ध्यान कक्षा का आयोजन किया गया। कक्षा में ब्रह्माकुमारी प्रभा ने प्रशिक्षणार्थियों को योग व ध्यान के माध्यम से मन को शांत व नियंत्रण में करने का अभ्यास कराया। अकादमी में प्रत्येक शनिवार को प्रशिक्षणार्थियों के लिए योग कक्षा आयोजित की जाती है।

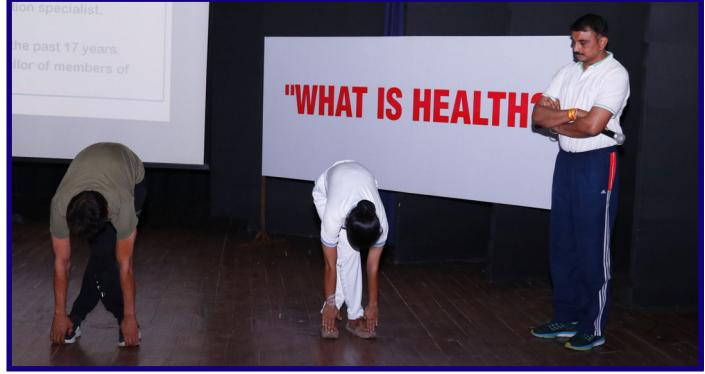
ब्रह्माकुमारी प्रभा ने प्रशिक्षणार्थियों को योग के महत्व को बताते हुए कहा कि मन में सकारात्मक व नकारात्मक, जरूरी व गैरजरूरी चार प्रकार की क्रियाएं होती हैं। यदि हम अपने मन को नियंत्रित कर लेते हैं तो सब कुछ नियंत्रण में हो जाता है और लड़ाई-झगड़े जैसी समस्या हमारे सामने नहीं आती है। यदि हमारा मन शुद्ध है तो बाहर से आने वाली नकारात्मक ऊर्जा अपने आप समाप्त हो जाती है। अपने मन को नियंत्रित करने वाले व्यक्ति के लिए दुनिया में सभी कार्य संभव हैं। आपके मन में चलने वाली क्रिया बीज है, अगर बीज अच्छा है तो फल भी अच्छा होगा। यदि आपका मन शांत है तो आप कार्य करते समय अपने शरीर के साथ मन को उपस्थित रख सकेंगे तथा अपने लक्ष्य को पूरा करने में सफलता प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि आत्मा इतनी शक्तिशाली होती है कि बुरे विचार मन में नहीं आने देती है। आत्मा के शरीर से चले जाने पर शरीर मिट्टी हो जाती है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से अनुरोध किया कि आप हमेशा सकारात्मक सोचें। उन्होंने ध्यान कक्षा के आयोजन के लिए हरियाणा अकादमी के निदेशक व मधुबन पुलिस परिसर के प्रभारी एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे का आभार व्यक्त किया।



स्वास्थ्य को बनायें जीवन की प्राथमिकता - दलीप शर्मा

02 से 07 सितम्बर तक हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में फिट इंडिया अभियान के तहत स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यानमाला आयोजित की गई। व्याख्यानमाला का आयोजन अकादमी के निदेशक एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे की पहल पर किया गया। इसमें पानीपत के श्री दलीप शर्मा, रीबॉक फिटनेस ट्रेनर ने पुलिसकर्मियों को फिट रहने के गुर सिखाए। व्याख्यानमाला से 3 हजार से अधिक अकादमी स्टाफ एवं प्रशिक्षणार्थियों को लाभ हुआ।

फिटनेस ट्रेनर श्री दलीप शर्मा ने पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि आमतौर पर व्यक्ति स्वास्थ्य को गौण मानता है इसलिए वह पहले अन्य बातों को प्राथमिकता देता है। लेकिन अस्वस्थ होने पर उसे अनुभव होता है कि स्वास्थ्य के लिए कार्य करना प्रत्येक व्यक्ति की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि फिटनेस के लिए लोग बिना सोचे-समझे विभिन्न प्रकार के तौर-तरीके इस्तेमाल करने लगते हैं। इससे उन्हें पूरा फायदा नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि जो भी अभ्यास, कार्य आप फिटनेस के लिए करते हैं उन्हें करने से पहले उनके शरीर और मन पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में जान लेना लाभकारी होता है। इससे कम समय में फिटनेस के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मांसपेशियों में खिंचाव लाने और उन्हें ढीला करने वाले अभ्यास करने से उनमें मजबूती आती है जिससे हड्डियां मजबूत और भारी वजन उठाने लायक बनती हैं। उन्होंने कहा कि कसरत करने से मांसपेशियों में रक्त का प्रवाह बढ़ता है और प्रत्येक कोशिका को प्र्याप्त मात्रा में आकसीजन मिलती है। वजन उठाने के अभ्यासों से शरीर में कैल्शियम बनता है। लाल रक्त कोशिकाएं भी पैदा होती हैं। उन्होंने पुलिस के व्यस्त जीवन में भी फिट रहने में मदद करने वाले विशेष अभ्यास भी प्रशिक्षणार्थियों को बताए। बर्पी, वैक्यूम प्लस, केटल बेल्ल स्विंग, केटल बेल्ल पुश-अप, पलैंक के नवीन अभ्यासों के साथ परम्परागत मुर्गा बनने के अभ्यास के माध्यम से कम समय में अधिक फिटनेस लेने के सूत्र भी बताए। उन्होंने खानपान के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि फिटनेस में 80 प्रतिशत भाग ठीक खान-पान व जीवन शैली का है शेष 20 प्रतिशत कसरतों का है। इसलिए अपने खान-पान और रहन-सहन पर भी बराबर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि हमें भोजन में मोटे व साबूत अनाज, रेशेदार



चीजें अधिक प्रयोग करनी चाहिए। उन्होंने समाज-सेवा में लगे पुलिसकर्मियों के साथ फिटनेस जागरूकता का अवसर प्रदान करने के लिए अकादमी निदेशक एडीजीपी श्रीकांत जाधव भापुसे का धन्यवाद किया।

व्याख्यानमाला में प्रतिदिन सक्रिय भागीदारी कर रहे अकादमी निदेशक एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे ने फिटनेस ट्रेनर दलीप शर्मा का परिचय करते हुए कहा कि दलीप शर्मा को फिटनेस के क्षेत्र में 32 साल का गहरा अनुभव है, लाखों लोग इनसे मार्गदर्शन प्राप्त कर फिटनेस कायम रख रहे हैं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से अपेक्षा करते हुए कहा कि वे इस फिटनेस व्याख्यानमाला में बताई गई बातों को अपने जीवन में प्रयोग करते हुए, शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक और सामाजिक रूप से अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कार्य करेंगे और प्रधानमंत्री के फिट इंडिया अभियान में भागीदार बनेंगे।

अपने संबोधन में एडीजीपी जाधव ने कहा कि स्वस्थ रहना प्रत्येक व्यक्ति की प्राथमिकता होनी चाहिए तभी वह इस दुनिया में उपयोगी बना रह सकता है। उन्होंने कहा कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों की महत्वपूर्ण हैं। दोनों को साथ लेकर चलने वाला व्यक्ति शांति की अवस्था को प्राप्त कर सकता है जिसके लिए बहुत से लोग प्रयासरत रहते हैं। उन्होंने आध्यात्म को प्राप्त करने के बारे में मार्ग दर्शन करते हुए कहा कि आध्यात्मिक होने के अलग-अलग तरीके हैं और कोई व्यक्ति कुछ कम तो कुछ श्रेष्ठ आध्यात्मिक हो सकता है। एक कामकाजी व्यक्ति भी आसानी से अध्यात्म की स्थिति प्राप्त कर सकता है इसके लिए केवल इतना करना है कि वह प्रातः जागने से लेकर सोने तक अपने विचारों और कर्म को शुद्ध रखे तथा प्रत्येक व्यक्ति के बारे में अच्छा और उसकी बेहतरी के लिए सोचे। जो सही और सच है उसे करना भी अध्यात्म है। अध्यात्म का स्वास्थ्य और जीवन पर बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें। वर्तमान में कुछ समय और धन का निवेश करने से भविष्य में सुख और समृद्धि को बनाए रखेगा। उन्होंने कहा व्यक्ति को प्रत्येक वह कार्य करना चाहिए जो उसे फिट रखने में सहायक हो।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्वास्थ्य जागरूकता के लिए यह व्याख्यानमाला प्रशिक्षणार्थियों को आजीवन फिट रखने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

फिटनेस ट्रेनर दलीप शर्मा ने अपने व्याख्यानों में स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि व्यक्ति हो या कोई सिस्टम उसका स्वस्थ

रहना बहुत जरूरी है। स्वास्थ्य को प्रमुख रूप से शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक और सामाजिक स्वास्थ्य के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यह सही है कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है, परंतु सोचिये कि स्वस्थ मस्तिष्क के बिना स्वस्थ शरीर क्या उपयोगी रह पाएगा है? इसी प्रकार अध्यात्म समाज में सहयोग और कल्याण की भवना के विकास में सहायक होता है जिससे सामाजिक स्वास्थ्य भी मजबूत होता है। सामाजिक स्वास्थ्य खराब होने पर समाज में अपराध और अव्यवस्था पैदा होती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में डायबटीज, बल्ड प्रैशर, हार्ट अटैक, हृदियों संबंधी बीमारियां खराब जीवनशैली का परिणाम हैं। हमें अपने खान-पान और रहन-सहन के तौर तरीकों के बारे में सचेत रहना होगा और प्रकृति के नियमों का पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि हमें अपनी रसोह में एल्यूमिनियम का उपयोग बंद करना चाहिए क्योंकि इनके इस्तेमाल से धातु का शरीर में स्थानांतरण होता है। शरीर के लिए स्वर्ण, रजत, लोहा लाभदायक हैं लेकिन एल्यूमिनियम हानिकारक है। दिन में 3 लीटर कम से कम पानी पीना चाहिए। एक समय में केवल एक ही सब्जी का उपयोग करें। सब्जी और दही को मिलाकर न खाएं इससे ऐसिड बनने लगती है। खाने में मोटे व साबूत अनाज, रेशेदार चीजें अधिक प्रयोग करें। उन्होंने मांसपेशियों और शरीर के विभिन्न अंगों की मजबूती और उनमें होने वाले दर्द से राहत के लिए अनेक अभ्यासों की भी जानकारी दी।

इस अवसर पर अकादमी के पुलिस अधीक्षक श्री वसीम अकरम भापुसे, उप पुलिस अधीक्षक श्री राजकुमार, उप पुलिस अधीक्षक श्री शीतल सिंह धारीवाल, उप पुलिस अधीक्षक श्री पवन कुमार, उप पुलिस अधीक्षक श्री सुंदर सिंह व उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती लक्ष्मी देवी तथा अकादमी स्टाफ भी उपस्थित रहा।



अकादमी में साइबर अपराध विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ आयोजित

01 से 05 जुलाई तक हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद के सहयोग से साइबर अपराध अनुसंधान विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें प्रदेश के 22 पुलिस अनुसंधान अधिकारियों ने भागीदारी की।

समापन अवसर पर अकादमी के डीए आनन्द मान ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि साइबर अपराध एक ऐसा अपराध है जिसमें कम्प्यूटर और नेटवर्क का प्रयोग होता है। प्रयोगकर्ता की व्यक्तिगत जानकारी को प्राप्त करना और उसका गलत इस्तेमाल करना, गोपनीय डाटा की चोरी करना साइबर अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए एडीजीपी श्री आलोक राय भापुसे निदेशक अकादमी तथा राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद का आभार प्रकट किया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद की शाखा नेशनल डिजिटल क्राईम रिसोर्स एण्ड ट्रेनिंग सेंटर के ऐनॉलिस्ट श्री प्रमेश नायक ने सोशल मीडिया से संबंधित अपराधों के अनुसंधान, ओपन सोर्स इंटेलिजेंस तकनीक, सीडीआर विश्लेषण, डार्क वैब, डीप वैब तथा टोर के बारे में बताया। ऐनॉलिस्ट श्री शीजिन चंद्रा ने ई-मेल अनुसंधान, आर्थिक अपराध अनुसंधान, घटना स्थल पर मोबाइल डिवाइस के संचालन व डिजिटल साक्षों की मानक संचालक प्रक्रिया, इंटरनेट प्रोटोकॉल, डिटेल रिकॉर्ड की जानकारी तथा इसके अनुसंधान में प्रयोग बारे अवगत कराया। असिस्टेंट ऐनॉलिस्ट श्री सूरज शाह ने साइबर अपराधों के प्रकार व उनकी जांच के लिए ऑनलाइन उपलब्ध प्लेटफॉर्म, मोबाइल से जुड़े अपराध, सीसीटीवी के मानक संचालन प्रक्रिया आदि बारे प्रतिभागियों को जानकारी दी।





Morality and Criminality are inversely proportional

Dr. Neelam Arya Senior Scientific Officer (SOC) Forensic Science Laboratory Haryana. PhD.,MCA, LL.B.

Hardly a day passes without some form of violence committed. Is it because the youths are being fed a daily diet of violence? Young people at the other end of the spectrum don't care very much about breaking the rules of the law and tend to be impulsive and short-sighted, leaving them more vulnerable to the temptations of crime - they are 'crime-prone'. With the revolution in the field of information technology and advent of media resources available at finger tips, incidents happening around the globe are accessible even to laymen population these days. The large number of incidents reported daily in the media. On viewing the data across the world countries, it is seen that there is a significant increase in the crime rates. In India too, the crime rates are found to have shown a considerable increasing trend in the past few years. Despite improvements and innovation in the modes of crime prevention and systematization of the law enforcement agencies in the country, most major forms of crimes and incidents of anti social behaviour are increasing at a faster pace disproportionate to the increase in population and the measures implemented by law enforcement agencies in the country to prevent crime. There is a considerable shift seen in the Indian society with regard to the attitude towards morality and moral behaviour. Morality is the most important deterring factor of crime and antisocial behaviour and it is important to realize the potential perpetuating threat of decrease of morality in the society.

Morality is the key psycho-philosophical faculty of the human mind that enables an individual to take right moral decisions and thus exhibit a moral behaviour. Moral behaviour is the act that is valued by an observer as right or good which effectively results in a common good. Any society with wealth, richness and economic power but devoid of moral, human and social standard gets dis-



What has happened to our value we seek to inculcate in the young good and bad? In the present world cation simple lies, stealing, robbery, through-out the society. At this every-body to make combined effort for the moral education of youths. Improving the social interaction of youth, nurturing moral values from home and introducing strict laws to stop crimes like rape, murder and sexual assault. Not only is a strict law but an immediate action also is required to curb crime. The incident of sexual assault/rape is not just a sick and heinous crime but also a social offense and family, education institute, police and legal system are equally responsible for this. Prison populations are overflowing, crime is high and violence is a culture these days. The focus needs to be on preventing the conditions that draw people into violent or criminal behaviour. In order to do this we need a systematic, integrated, co-ordinated approach. We need to treat violence as a public health concern and use campaigns and technology to reach every youth and family in the country with moral values.

Laws alone are not enough to stop criminals from doing as they please. To be effective these laws would need someone to enforce them and another to judge whether these laws were actually broken. This is why most governments have their power divided into three branches. The Legislative branch creates the laws as they see fit for the country. The executive branch is composed of policemen and the military, without them the laws would not be enforced. The Judicial branch is composed of the Supreme court and the other smaller courts that determine the fine line between lawful and unlawful. There are lots of interventions that are focused on women's rights. These are noble. But the vast majority of killings I have seen around the world are by men on men. I think this needs to be addressed. The international community focuses a great deal on the impact of violence against women. Male and female dimensions of violence are connected, so treat male and female violence as the same issue. With the development of conscience and morality a youth can distinguish between right and wrong, justice and injustice, honesty and dishonesty, truth and lie, legal and illegal. A value oriented honest person will not be dishonest. He will not go against law and legal sanctions. Morality refers to obeying the instructions of family

system, including moral education, that to enable them to differentiate between because of deterioration in moral edu-violence, murders have spread critical period it is the responsibility of

members, group and society, to go by social norms, rules, and regulation, to go by legal procedures i.e., not to behave illegally. For such behaviour the entire society is benefitted and in the absence of it the whole society is destructed leading to social disorganization.

Most crime is a result of mental illness or due to socioeconomic problems. I think those problems should be addressed first and foremost before setting any law. Obviously laws are not enough to prevent people from committing crimes. Some crimes just cannot be prevented. Laws alone only affect people who choose to be, and those people are the law abiding citizens. We must make it so that new laws carry incentives to make everyone want to follow them. To do this we must continue to restrengthen the ability of families, neighborhoods, schools, and other social institutions to control as well as nourish young people.

In a valued and peaceful society all the developmental works continue in full speed whereas in a society packed up with violence, agitation and crime the entire energy of government is wasted on controlling law and order situation, in searching the offenders and rehabilitating the victims of crime. Hence, top priority should be given to moral, human and social education in any society, which is an important part of value education that lead to curb the crime and built a harmonious society.

drneelamarya@rediffmail.com

असुरक्षित वेबसाइटों का प्रयोग न करें जानकारी देते वक्त रहें सावधान- वसीम अकरम

09 से 11 सितम्बर तक अकादमी मधुबन के सरदार पटेल हॉल में आज साइबर अपराध और कानूनी जागरूकता पर न्यायिक अधिकारियों एवं लोक अभियोजकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम गृह मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में न्यायालय एवं अभियोजन अधिकारियों को साइबर अपराध और कानून के बारे में जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अकादमी के निदेशक एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे के निर्देश पर अकादमी के पुलिस अधीक्षक श्री वसीम अकरम भापुसे द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के आरंभिक सत्र में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक श्री वसीम अकरम भापुसे ने कहा कि साइबर अपराधियों के तौर-तरीके और लक्ष्य तेजी से बदल रहे हैं। पहले जहां ये किसी व्यक्ति को ये अपना शिकार बनाते थे अब इनका लक्ष्य संस्थाएं और देश भी होने लगे हैं। हमें इनसे बचाव और साइबर अपराधियों में कानून का भय पैदा करने के लिए अपनी जानकारी को निरंतर उन्नत करते रहना होगा। उन्होंने कहा कि इंटरनेट को सावधानी से प्रयोग करें, असुरक्षित वेबसाइटों के प्रयोग से बचें। साइबर अपराधी बहुत दूर बैठे हुए भी आपके बारे में काफी जानकारी प्राप्त कर लेता है क्योंकि आपकी जानकारी साइबर स्पेस में उपलब्ध है इसलिए यदि किसी मेल, फोन या अन्य माध्यम से आपके बारे में कुछ जानकारी आपको देकर आपसे कोई बात पूछता है तो सावधान हो जाएं और जानकारी न दें। इंटरनेट प्रयोग करने वाले डाटा प्राइवेसी के बारे में जागरूक नहीं है ऐसे मे अपराध न्याय प्रणाली एवं साइबर सुरक्षा से जुड़े जानकारों का दायित्व है कि उनके हितों की रक्षा की जाए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले न्यायिक अधिकारियों और आभियोजन अधिकारियों को साइबर अपराध से जुड़े मामलों को समझने और न्याय सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने अकादमी के निदेशक एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे व अपनी ओर से प्रतिभागियों का स्वागत भी किया।

कार्यक्रम के संयोजक एवं अकादमी के जिला न्यायवादी श्री आनंद मान ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर अकादमी के उप पुलिस अधीक्षक श्री राजकुमार, उप पुलिस अधीक्षक श्री शीतल सिंह धारीवाल, उप पुलिस अधीक्षक श्री पवन कुमार भी उपस्थित रहे।



DAV Police Public School Madhuban

स्वतंत्रता दिवस महोत्सव



जन्माष्टमी महोत्सव



वन महोत्सव



Superintendent of Police HPA

Sh. Waseem Akram IPS (RR-2013) appointed as the Superintendent of Police of Haryana Police Academy Madhuban. The new Superintendent of Police has taken over the charge w.e.f. 26th August 2019.



Sports Achievements July to September 2019

World Police & Fire Games at Chengdu (China) from 08. to 18.08.19.

Sr.No.	Rank,Name&No.	Event	Medals
1.P/DSP	Geetika Jhakar,	Wrestling	Gold
2.Inspr.	Nirmla, Jind	Wrestling	Gold
3.Inspr.	Rajender, 5th Bn.	Wrestling	Silver
4.P/Inspn.	Puneet Rana, 2nd Bn.	Swimming	4 Gold, 2 Silver & 2 Bronze
5.P/SI	Kavita Chahal, 5th Bn.	Boxing	Gold
6.ASI	Manjeet, 5/164	Wrestling	2 Gold
7.Ct.	Baljit, 1602/FBD	Wrestling	1 Gold & 1 Silver
9.L/Ct.	Mohani, 3526/FBD	Wrestling	Silver
10.P/DSP	Harpreet Singh, (4nd Bn.)	Shooting Participation.	

रक्तदान क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. अशोक कुमार स्वर्ण पदक से सम्मानित

रक्तदान करने और इस क्षेत्र में उत्कृष्ट सहयोग के लिए 30 अगस्त 2019 को हरियाणा राजभवन चण्डीगढ़ में आयोजित एक समारोह के दौरान हरियाणा के राज्यपाल माननीय श्री सत्येदव नारायण आर्य ने, हरियाणा न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला मधुबन के अपराध स्थल निरीक्षण दल कुरुक्षेत्र में नियुक्त डॉ. अशोक कुमार, सहायक उप निरीक्षक को स्वर्ण पदक और प्रशंसा-पत्र से सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें वर्ष 2017-18 में रक्तदान शिविरों में सर्वाधिक रक्त इकाईयां उपलब्ध करवाने वाले 125 बार रक्तदान, 54 बार प्लेटलेट्स दान करने के लिए प्रदान किया गया। नवम्बर 1998 को हरियाणा पुलिस में सिपाही पद पर भर्ती हुए डॉ. अशोक कुमार अपने पेशेवर कर्तव्य के साथ निरंतर समाज सेवा के लिए समर्पित हैं।

रक्तदान के अतिरिक्त वे पर्यावरण संरक्षण के सिपाही भी हैं। वर्तमान में वे हरियाणा पुलिस अकादमी के निदेशक एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भासुसे की प्रेरणा से जरूरतमंदों के लिए भोजन की मुहिम में सक्रिय रूप से शामिल हैं और रोटी बैंक कुरुक्षेत्र की सेवा में भी लगे हैं। छात्र जीवन से ही मेधावी डॉ. अशोक कुमार ने अपने अन्दर के छात्र को कभी गुम नहीं होने दिया और उन्होंने हरियाणा पुलिस में सेवारत रहते हुए लोक प्रशासन में स्नात्कोत्तर, एलएलबी, एलएलएम, विधि में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की। उन्हें विभिन्न संस्थाओं द्वारा समाज सेवा के लिए शॉन-ए-हरियाणा, महाराजा अजमीद रत्न, प्राइड ऑफ इंडिया, स्वर्णकार चेतना रत्न, हरियाणा गौरव, शाइन आफ इंडिया, आइक्रो नेशनल अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है।



Congratulations

Sh. Manoj Yadhava IPS, DGP Haryana has conveyed heartiest congratulations to all the Police Officers/ Officials who have been awarded Police Medals on the eve of Independence Day 2019.

Presidents' Police Medal for Distinguished Services (2)



Sh. B.K. Shina IPS DGP
Home Guard Haryana



SI Subash Chander
Panchkula

Police Medals for Meritorious Services (11)



Sh. Veer Singh DSP
Pataudi Gurugram



Sh. Om Parkash DSP
Panchkula



Inspector Anil
Madhuban Karnal



Inspector Sarwan Kumar
Ambala



Inspector Vikas
Ambala



Inspector Laly Varghese
Gurugram



SI Parkash Chand
Faridabad



SI Varinder Kumar
SVB, Panchkula



ESI Ram Partap
Panchkula



ASI Suman Kumar
Panchkula



ASI Ravinder Kumar
Gurugram

Chief Editor : Shrikant Jadhav, Director HPA ; Editors : Waseem Akram SP/ HPA, DSP Raj Kumar & HC Sharmila
Page-making: C-1 Ram Kishan ; Photo : HC Raju & Mr. Surender (Banti)